

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
चम्पावत।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादूनः दिनांक: ॥ मार्च, 2015

विषयः—जनपद चम्पावत में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पाटी की स्थापना हेतु कुल 1.202 है० भूमि आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-870/सात-ए.एल.आर.ओ./2013-14 दिनांक 23.12.2014 जो प्रमुख सचिव, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को संबोधित है, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, ग्राम गूम, प०५० एवं तहसील पाटी, जनपद चम्पावत के खोखा० सं०-६४ के खसरा सं०-५० मध्ये ०.८०१ है० तथा खसरा सं०-४२४ मध्ये ०.४०१ है० इस प्रकार कुल 1.202 है० (३.०० एकड़) श्रेणी ९(३)ड बंजर काबिल आबाद भूमि को वित्त अनुभाग-३ के शासनादेश संख्या-२६०/वित्त अनुभाग-३/२००२ दिनांक 15.02.2002 के प्राविधानों के अधीन तथा आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन के विभागीय परामर्श/अनापत्ति के कम में निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

- 1— भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- 2— जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- 3— हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 4— यदि भूमि की आवश्यकता न हो या ३ वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।
- 5— जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- 6— जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।
- 7— प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधान लागू होने के कारण भारत सरकार की पूर्वानुमति मिलने के पश्चात ही वास्तविक हस्तान्तरण किया जाना जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- 8— प्रश्नगत नॉन जेड०ए० भूमि आवंटन के पूर्व जर्मीदारी विनाश एवं भू-सुधार अधिनियम की धारा-132 व इसके समकक्ष एवं अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

21

- 9— इस संबंध में सिविल अपील संख्या—1132/2011(एस0एल0पी0)/(सी) संख्या— 3109/2011 श्री जंगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य तथा सिविल अपील सं0-436/2011 /SLP(C) NO. 20203/2007 झारखण्ड राज्य व अन्य बनाम पाकुर जागरण मंच व अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये आदेश दि०—जनवरी, 2011 में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10— आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या—01 से 09 में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

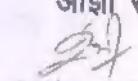
कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत आदेश एवं इस शासनादेश की शर्तों के अनुपालन स्थिति से यथा समय शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव।

पृ०५०संख्या—३५। / समदिनांकित / 2015

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- 1— सचिव, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2— आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून।
3— आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
4— निर्देशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संतोष बडोनी)
उप सचिव।